दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 25 जुलाई 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 297

महत्वपूर्ण एवं खास

टेकऑफ करते समय क्रैश हुआ प्लेन, 4 सैनिकों सहित 9 की मौत

खार्तूम । सूडानी सशस्त्र बलों ने कहा कि देश के पूर्वी लाल सागर राज्य में पोर्ट सूडान हवाई अड्डे पर एक नागरिक विमान दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। सूडानी सेना के प्रवक्ता के कार्यालय ने एक बयान में कहा, हवाई अड्डे पर शाम को एंटोनोव विमान की दुर्घटना उड़ान भरने के दौरान तकनीकी खराबी के कारण हुई। बयान के मुताबिक, मारे गए नौ लोगों में चार सैन्यकर्मी शामिल हैं। दुर्घटना में एक लडक़ी बच गई। सूडान में 15 अप्रैल से राजधानी खार्तूम और अन्य क्षेत्रों में सूडानी सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच घातक झड़पें देखी जा रही हैं। खार्तूम से लगभग 890 किमी पूर्व में स्थित पोर्ट सूडान हवाई अड्डे का उपयोग देश के मुख्य हवाई अड्डे के रूप में किया गया है, क्योंकि खार्तूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा युद्धरत पक्षों के बीच सशस्त्र झड़पों के कारण सेवा से बाहर हो गया है।

ईरान में आतंकवादी हमले में 4 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की मौत

तेहरान । ईरान में एक आतंकवादी हमले में चार ट्रैफिक पुलिसकर्मी मारे गए, जब वे दक्षिणपूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में एक इंटरसिटी रोड पर गश्त कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट में ये जानकारी दी गयी है। एक बयान में प्रांतीय पुलिस के हवाले से कहा गया कि हमले के बाद आतंकवादी घटनास्थल से भाग गए। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाएंगे कि उन्हें पश्चाताप करना पड़ेगा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से लगा यह प्रांत पिछले वर्षों में नागरिकों और सुरक्षा बलों दोनों पर आतंकवादी हमलों के निशाने पर रहा है। जुलाई की शुरुआत में, प्रांत के एक पुलिस स्टेशन पर हमले में दो पुलिसकर्मी और चार आतंकवादी मारे गए थे।

एसीपी के सिर पर हुआ खून सवार, पत्नी और भतीजे की गोली मारकर हत्या की, खुद को भी किया शूट

पुणे (आरएनएस)। यहां बीती देर रात अमरावती के एसीपी भरत गायकवाड़ ने अपनी पत्नी और भतीजे की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद एसीपी ने खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। यह वारदात करीब 3.30 बजे घटित हुई। भरत की पत्नी और बच्चे यहां पुणे में ही रहते थे। भरत गायकवाड़ अमरावती शहर के राजापेठ डिविजन के एसीपी थे। हाल ही में उनका सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर से प्रमोशन हुआ था और वे एसीपी बने थे। उनकी पोस्टिंग अमरावती में हुई थी। उन्होंने सुबह रिवॉल्वर से पहले पत्नी मोनी गायकवाड़ को गोली मार दी, जिनकी उम्र 44 साल थी। आवाज सुनकर 35 वर्षीय भतीजा दीपक गायकवाड़ ऊपर कमरे में पहुचे। दीपक को देखते ही उन्होंने उसे भी गोली मार दी। हालांकि, सास और बेटे सुहास गायकवाड़ को दरवाजे से धक्के देकर दरवाजा बंद कर दिया। फिर खुद के सिर में गोली मार ली और उनकी भी मौत हो गई।

यूट्यूब वीडियो देखकर 11 वर्षीय लड़के ने लगाया मौत को गले, फांसी लगाकर दे दी जान

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना में यूट्यूब वीडियो की नकल करते समय 11 साल के लडक़े की फांसी लगने से मौत हो गई। चौंकाने वाली घटना राजन्ना सिरसिला जिले में हुई। छठी कक्षा का छात्र उदय, येलारेड्डीपेट मंडल के किश्तनायक टांडा में अपने घर के एक कमरे में लटका हुआ पाया गया। बताया जा रहा है कि लडक़े को यूट्यूब पर वीडियो देखने की लत थी। रविवार रात खाना खाने के बाद उदय मोबाइल फोन पर वीडियो देखते हुए एक कमरे में चला गया और कमरा बंद कर लिया। कुछ देर बाद जब माता-पिता ने दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं आया। इस पर घबराकर उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया और वे हैरान रह गए। उन्होंने उदय को फांसी पर लटका हुआ पाया। लडक़े ने कपड़े के टुकड़े को कील से बांधकर फांसी लगाई। छात्र को तुरंत मंडल मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर मसले पर लोकसभा में हंगामा

❐ कांग्रेस से सोनिया एवं चौधरी ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। मणिपुर पर चर्चा की मांग को लेकर लोक सभा में सोमवार को भी जबरदस्त हंगामा हुआ और नारेबाजी की गई। शोर-शराबे के बीच लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रश्नकाल चलाने का प्रयास करते रहे। उन्होंने लगभग 27 मिनट तक सदन में प्रश्नकाल की कार्यवाही को चलाया भी। लेकिन हंगामा और नारेबाजी बढऩे पर उन्होंने सदन की कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

इससे पहले सोमवार को सुबह 11 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस की तरफ से सोनिया गांधी एवं अधीर रंजन चौधरी ने मोर्चा संभाला तो वहीं सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी मोर्चा संभालते नजर आए।

11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सोनिया गांधी ने लोक सभा अध्यक्ष से कई बार आग्रह किया कि उनके नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन में बोलने का मौका दिया जाए। सोनिया के कई बार आग्रह करने के बाद बिरला ने चौधरी को बोलने का मौका दिया।

चौधरी ने खड़े होकर एक बार फिर मांग की कि मणिपुर मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आकर बयान देना चाहिए। कांग्रेस नेता की मांग का जवाब देने के लिए तुरंत खड़े हुए प्रल्हाद जोशी ने यह आरोप लगाया कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है और उसका मकसद सिर्फ सदन की कार्यवाही को बाधित करना है।

इस बीच बिरला यह कहते सुनाई दिए कि सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह चर्चा को तैयार है लेकिन चर्चा का जवाब कौन देगा, यह विपक्ष तय नहीं कर सकता।

इस बीच सरकार की तरफ से राजनाथ सिंह बोलने के लिए खड़े हुए। राजनाथ सिंह ने भी यह आरोप लगाया कि मणिपुर जैसी गंभीर घटना पर भी विपक्ष गंभीर नहीं है। उनके इतना बोलते ही विरोध जताते हुए कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और अन्य कई विपक्षी दलों के सांसद तख्तियां लहराते हुए वेल में आकर नारेबाजी करने लगे।

संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए राजनाथ ने खड़गे से की बात, मणिपुर पर पीएम के बयान पर अड़ा विपक्ष

संसद के दोनों सदनों में जारी गतिरोध खत्म करने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े से रविवार को फोन पर बात की, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष ने पहले मणिपुर पर सदन के अंदर प्रधानमंत्री के बयान की शर्त रखी। सूत्रों ने कहा कि संसद में जारी गतिरोध पर चर्चा के लिए राजनाथ सिंह ने कल रात खडग़े से बात की। उन्होंने कहा, खडग़े ने सिंह से कहा कि मणिपुर हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती और प्रधानमंत्री को सदन के अंदर बयान देना चाहिए। इससे पहले सोमवार सुबह खडग़े ने मणिपुर हिंसा पर विस्तृत चर्चा की मांग को लेकर संसद में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध-प्रदर्शन करते हुए कहा था कि राजनाथ सिंह ने उनसे और कई अन्य विपक्षी सांसदों से बात की। खडग़े ने कहा, यह शर्मनाक है कि पीएम मोदी ने सदन के बाहर बात की। हम सभी विपक्षी दल राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष से मांग कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री को सदन के अंदर आना चाहिए और मणिपुर की वास्तविक स्थिति के बारे में बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा है तो प्रधानमंत्री सदन के बाहर बयान दे रहे हैं जबकि मणिपुर हिंसा पर सदन के अंदर व्यापक बयान देना उनका कर्तव्य है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दल मणिपुर हिंसा पर संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री से बयान की मांग कर रहे हैं। मानसून सत्र के पहले दिन गुरुवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री ने मणिपुर की घटना पर अपना दर्द और गुस्सा व्यक्त किया और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में महिलाओं के साथ वीभत्स घटना बहुत शर्मनाक है, और इसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था, यह घटना पूरे देश का अपमान है क्योंकि इसने 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार किया है। मणिपुर में महिलाओं के साथ जो घटना हुई उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हालाँकि, उन्होंने अपने बयान में राजस्थान और छत्तीसगढ़ (दोनों कांग्रेस शासित राज्य) में हिंसा की घटनाओं को भी शामिल किया। मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने का 4 मई का एक वीडियो 19 जुलाई को वायरल हो गया, जिसकी पूरे देश में व्यापक निंदा हुई।

तेज रफ्तार का कहर, नहर में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एटा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के एटा में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां आज सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां नहर में कार गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पांचों लोगों के शव को बाहर निकाल लिया है। इस हादसे में दो युवती समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें एक ही परिवार के चाचा-चाची, भतीजा, भतीजे की पत्नी और भतीजे का दोस्त शामिल है।

जानकारी के अनुसार, जनपद कासगंज के थाना गंजडुंडवारा के गांव अडंउआ निवासी विनीता (28) पत्नी को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। ऐसे में पास ही के गांव जैदर से शिवम की कार को मंगाया। कार में विनीता के पति नीरज (30) चचिया ससुर तेजेंद्र (60) और चचिया सास संतोष (58) को साथ लेकर एटा दिखाने के लिए आ रहे थे। कार को शिवम (25) चला रहा था। कार थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मुहारा घाट के पास से निकल पाई कि खारजा नहर में कार गिर गई। कुछ देरबाद भाई ने फोन ने जानकारी के लिए फोन किया तो मोबाइल बंद था। एक-एक कर सभी को फोन लगाया तो सभी फोन बंद आ रहे थे। एक साथ फोन बंद होने पर भाई को अनहोनी का शक होने लगा। कुछ देर इंतजार के बाद फिर से फोन किया तो किसी से भी बात नहीं हो सकी। परिवार के अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी गई। गांव के लोग उनकी तलाश में जुट गए। आसपास के सभी सडक़ों पर तलाश करते रहे। रात्रि करीब साढ़े 11 बजे थाना अमांपुर को सूचना दी। आरोप है कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया ऐसे में सभी लोग फिर से तलाशी में जुट गए। कहीं पता नहीं चला सका। सुबह 5 बजे के बाद कार नहर में पड़ी दिखाई दी। पास जाकर देखा तो पांचों लोगों की मौत हो चुकी थी।

अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के कारण 31 लोगों की मौत, 41 लापता- 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त

काबुल । अफगानिस्तान के कुछ हिस्सों में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ में कम से कम 31 लोग मारे गए हैं। काबुल में एक संवाददाता सम्मेलन में तालिबान के आपदा प्रबंधन मंत्रालय के प्रवक्ता शफीउल्लाह रहीमी ने कहा कि 74 लोग घायल हुए हैं और कम से कम 41 लोग लापता हैं।

रहीमी ने कहा, अफगानिस्तान के सात प्रांतों में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से 606 आवासीय घरों के साथ-साथ सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि आंशिक या पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने कहा, रक्षा मंत्रालय, लोक कल्याण मंत्रालय, रेड क्रिसेंट, प्रांतों के अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की टीमों के साथ मंत्रालय की टीमें बाढ़ प्रभावित जगहों पर पहुंचीं और बचाव अभियान चलाया।

तालिबान के आपदा प्रबंधन राज्य मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि 2023 की शुरुआत के बाद से, विभिन्न प्रांतों में प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लगभग 100,000 परिवारों को भोजन और नकद सहायता मिली है। इसमें कहा गया है कि पिछले चार महीनों में प्राकृतिक आपदाओं में कम से कम 214 लोग मारे गए हैं, जिनमें बाढ़ से हुई मौतें भी शामिल हैं।

मध्य इंडोनेशिया में जहाज डूबने से 15 की मौत, 19 लापता

जकार्ता । इंडोनेशिया के दक्षिणपूर्वी सुलावेसी प्रांत के जल क्षेत्र में सोमवार तडक़े एक जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे 15 लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य लापता हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख यूसुफ लतीफ ने कहा, यह दुर्घटना सेंट्रल बुटन रीजेंसी में मावासांग्का खाड़ी में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 00.00 बजे हुई। उन्होंने बताया कि नाव पर कुल 40 लोग सवार थे। उनके अनुसार हताहतों की पहचान होने के बाद उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया और जीवित बचे लोगों का इलाज चल रहा है।

असम राइफल्स ने मणिपुर नागरिक समाज निकाय के खिलाफ दर्ज किया देशद्रोह का मामला

इंफाल (आरएनएस)। असम राइफल्स ने राज्य के मैतेई समुदाय के नागरिक समाज निकाय, मणिपुर इंटीग्रिटी पर समन्वय समिति (सीओसीओएमआई) के खिलाफ देशद्रोह और मानहानि का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सीओसीओएमआई द्वारा लोगों को हथियार सरेंडर न करने के लिए कहने के बाद, असम राइफल्स ने चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज कराई।

इंफाल के अधिकारियों के अनुसार, हाल ही में राजद्रोह से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए व धारा 153 ए आईपीसी, धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के माााम में केस दर्ज कराया गया।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भडक़ने के बाद भीड़ और उपद्रवियों ने विभिन्न पुलिस स्टेशनों और चौकियों से 4,000 से अधिक हथियार और लाखों गोला-बारूद लूट लिए।

छापेमारी के दौरान सेना, असम राइफल्स, विभिन्न अन्य केंद्रीय बलों और मणिपुर पुलिस ने अब तक लूटे गए लगभग आधे हथियार और गोला-बारूद बरामद कर लिया है।

29 मई से 1 जून तक चार दिनों के लिए मणिपुर का दौरा करने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और मणिपुर पुलिस ने लोगों से कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए लूटे गए हथियार जमा करने की अपील की थी।

शाह को हाल ही में दिए एक ज्ञापन में सीओसीओएमआई, जो मूल रूप से जून में राज्यपाल अनुसुइया उइके की अध्यक्षता में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा गठित शांति समिति का हिस्सा था, ने असम राइफल्स के स्थान पर किसी अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को शामिल करने की मांग की थी।

विभिन्न नागरिक समाज संगठनों ने आरोप लगाया है कि सेना और असम राइफल्स द्वारा विभिन्न अवसरों पर महिला प्रदर्शनकारियों पर हमला किया गया। हालांकि, रक्षा सूत्रों ने आरोपों से इनकार किया है। सेना और असम राइफल्स ने यह भी दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने कई मौकों पर कर्तव्यों का पालन करने और सशस्त्र उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने में बाधाएं पैदा कीं।

झारखंड : कोल्हान में आईईडी ब्लास्ट में सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडर घायल, एयरलिफ्ट कर रांची लाए गए

रांची (आरएनएस)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान वन प्रमंडल में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान हुए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेट चंद्र प्रताप तिवारी जख्मी हो गए। घटना के तुरंत बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए रांची स्थित एक निजी अस्पताल में लाया गया है। आईईडी विस्फोट सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे कोल्हान वन प्रभाग के टोंटो थाना क्षेत्र के तुम्बाहाका गांव के पास एक जंगल में हुआ।

पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर ने कहा कि घायल असिस्टेंट कमांडेट का इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। इससे पहले 17 जुलाई को कोल्हान वन प्रभाग के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाथीबुरू और कुइदा के बीच एक कच्ची सडक़ पर आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन के एक अधिकारी देवेंद्र कुमार घायल हो गए थे। नक्सलियों ने पूरे कोल्हान प्रमंडल में कई स्थानों पर आईईडी और विस्फोटक बिछा रखे हैं। पुलिस और सीआरपीएफ ने पिछले छह महीने के दौरान इस इलाके से बड़ी तादाद में आईईडी बरामद भी किए हैं। हालांकि इन अभियानों के विस्फोटों में अब तक डेढ़ दर्जन से अधिक सीआरपीएफ जवान घायल हो गए हैं और लगभग एक दर्जन ग्रामीण मारे गए हैं।

सीमा हैदर जैसा एक और मामला आया सामने, राजस्थान से शादीशुदा महिला फेसबुक दोस्त से मिलने पहुंची पाकिस्तान

जयपुर (आरएनएस)। ऐसे समय में जब पाकिस्तान की सीमा हैदर अपने प्यार से मिलने के लिए सीमाओं और बाधाओं को पार करने के लिए खबरों में हैं, राजस्थान की दो बच्चों की शादीशुदा मां अंजू राफेल भी अपने फेसबुक दोस्त से मिलने के लिए सीमा पार कर गई हैं। भिवाड़ी की रहने वाली अंजू एक वाहन कंपनी में काम करती हैं, जबकि उनके पति एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं।

अंजू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर पुष्टि की थी कि वह नसरुल्लाह से मिलने के लिए खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पहुंची है, जिससे उसकी फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। इस बीच, अंजू के बच्चों ने कहा है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि उनकी मां कहां हैं। वे फिलहाल अपने पिता के साथ रह रहे हैं। अंजू के पति ने बताया कि उनकी शादी 2007 में हुई थी और अंजू मूल रूप से ग्वालियर की रहने वाली हैं।

उन्होंने कहा, मेरी पत्नी 20 जुलाई को कहीं गई थी। मैंने फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। दो दिन बाद उसने सोशल मीडिया के जरिए फोन किया और कहा कि वह अपने दोस्त से मिलने के लिए लाहौर में है और तीन-चार दिनों में वापस आ जाएगी। अंजू ने साल 2020 में अपना पासपोर्ट बनवाया था। उसने अपने पति को बताया कि वह जयपुर जा रही है। पुलिस ने कहा है कि जांच जारी है, क्योंकि पाकिस्तान उच्चायोग ने मामले के संबंध में जानकारी मांगी है।

मोदी सरकार ने किया पीएफ पर ब्याज दर बढ़ाने का ऐलान, अब नौकरीपेशा लोगों को इतने प्रतिशत मिलेगा ब्याज

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने ईपीएफ खाताधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल वित्त मंत्रालय की ओर से ईपीएफओ ब्याज दर का ऐलान करते हुए 8.15प्रतिशत की ब्याज दर कर दिया है। वित्त मंत्रालय के इस फैसले से कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एक सर्कुलर में कहा गया कि भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य के खाते में वर्ष 2022-23 के लिए ब्याज जमा करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 60 (1) के तहत केंद्र सरकार की मंजूरी दे दी है।

बता दें कि ईपीएफओ ने 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर ब्याज दर बढ़ाई हैं। अब कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर ब्याज दर को बढ़ाकर 8.15 प्रतिशत कर दिया जाएगा। बता दें कि वित्तवर्ष 21-22 के लिए यह दर 8.10 प्रतिशत थी। इसके पहले मार्च में अपनी दो दिन की बैठक में ईपीएफओ ने अपने सब्सक्राइबर्स के लिए 2022-23 के कर्मचारी के भविष्य निधि पर ब्याज दर बढ़ाने की घोषणा की थी। इसके बाद 2022-23 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर की बढ़ोतरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था, जिसे आज मंजूर कर लिया गया है। अब सरकार की मंजूरी मिलने के बाद 2022-23 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर ईपीएफओ के पांच करोड़ से अधिक खाताधारकों के खातों में डाल दी जाएगी।

ईपीएफओ मार्च, 2022 में 2021-22 के लिए अपने करीब पांच करोड़ सब्सक्राइबर्स के ईपीएफ पर ब्याज दर को घटाकर चार दशक से भी अधिक समय के निचले स्तर 8.1 प्रतिशत पर ले आया था। यह दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी, तब ईपीएफ पर ब्याज दर आठ प्रतिशत हुआ करती थी। 2020-21 में यह दर 8.5 प्रतिशत थी। आपको बता दें कि मार्च, 2020 में ईपीएफओ ने भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को कम करके सात महीने के निचले स्तर 8.5 प्रतिशत पर ला दिया था. 2018-19 के लिए यह 8.65 प्रतिशत थी।